



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 77] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 10, 1983/वैशाख 20, 1905
No. 77] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 10, 1983 VAISAK 20, 1905

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

लोक सभा

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मई, 1983

संख्या 47/1/सीआरई/83.—लोक सभा समाचार—भाग-बी, दिनांक 9 मई 1983
में प्रकाशित निम्नलिखित पैराग्राफ एतद्वारा सामान्य जानकारी हेतु प्रकाशित
किया जाता है—

“संख्या 2175

लोक सभा के प्रक्रिया नियमों के अद्यतन अध्याय द्वारा निर्देश

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के नियम 389 के
अनुसरण में, अध्यक्ष ने निम्नलिखित निर्देश दिया है:—

‘गैर-सरकारी सदस्यों द्वारा सभापटल पर रखे जाने वाले पत्रों का प्रमाणिकरण।

118क. (1) जब कोई सदस्य निदेश 118 के अन्तर्गत किसी पत्र अथवा दस्तावेज को सदन के पटल पर रखने के लिए अध्यक्ष की अनुमति मांगता है, तो वह उस पत्र/दस्तावेज पर निम्नलिखित में से किसी एक प्रपत्र में, यथास्थिति, प्रमाणपत्र देगा—

(क) ‘मैं अपनी व्यक्तिगत जानकारी से यह प्रमाणित करता हूँ कि यह मूल दस्तावेज है, जो प्रामाणिक है।’

(ख) ‘मैं अपनी व्यक्तिगत जानकारी से यह प्रमाणित करता हूँ कि यह मूल दस्तावेज, जो प्रामाणिक है, की सही प्रतिलिपि है।’

(ग) ‘मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि इस दस्तावेज की विषयवस्तु सही है और प्रामाणिक जानकारी पर आधारित है।’

(2) यदि पत्र अथवा दस्तावेज एक से अधिक पृष्ठ का है, तो सदस्य उसके प्रत्येक पृष्ठ पर तारीख सहित अपने हस्ताक्षर करेगा।’

[यह निदेश लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन नियमों के अधीन अध्यक्ष द्वारा निदेश (तीसरा संस्करण) के निदेश 118 के पश्चात् अन्तःस्थापित किया जायेगा।]

अवतार सिंह रिखी, सचिव।”

LOK SABHA

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th May, 1983

No. 47/1/CI/83.—The following paragraph published in the Lok Sabha Bulletin—Part II, dated the 9th May, 1983 is hereby published for general information :—

“No. 2175

Direction by the Speaker Under the Rules of Procedure of Lok Sabha

In pursuance of Rule 389 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Sixth Edition), the Speaker has issued the following direction :—

‘Authentication of papers to be laid by private members

118A. (1) When a member seeks permission of the Speaker to lay a paper or document on the Table of the House under direction 118,

he shall record thereon a certificate in one of the following forms, as the case may be :—

- (a) 'I certify from my personal knowledge that this is the original document which is authentic'.
 - (b) 'I certify from my personal knowledge that this document is a true copy of the original which is authentic'.
 - (c) 'I certify that the contents of this document are correct and based on authentic information'.
- (2) If the paper or document consists of more than one page, the member shall put his signature with date on every page thereof.'

[To be inserted after direction 118 of the Directions by the Speaker under the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Third Edition)]

AVTAR SINGH RIKHY, Secy."

